Dr. Keerti Kumar
Asstt Prof.
&
Dept of Psychology - S.R.A.P. College, Barachakia -
(A Constituent Unit of B.R.A. Bihar University - MFP)

Subject - Psychology
Topic - वस्तुनिष्ठ निरीक्षण विधि 1st Paper
Class - B.A Part I (Hon)
Period - 3rd (Third)
Day - Wednesday
Date - 15/02/2023
Contact No 9801466117, 6202215708

Q. What is objective observation? What are its Merits and demerits or limitations?

प्रश्न 1. - वस्तुनिष्ठ प्रेक्षण विधि क्या है? इसके गुण एवं दोषों (सीमाओं) का वर्णन करें?

अथवा

वस्तुनिष्ठ निरीक्षण विधि के गुण-दोषों का वर्णन करें?

उत्तर :- किसी भी विधि का उपयोग किसी न किसी विषय वस्तु का अध्ययन करने के लिए होता है। जब तक मनोवैज्ञानिकों ने अनुभव को मनोविज्ञान की विषय वस्तु के रूप में माना, तब तक मनोविज्ञान के अध्ययन की विधि अन्तर्निरीक्षण रही। किन्तु आगे चलकर मनोवैज्ञानिकों ने माना कि मनोविज्ञान केवल व्यक्ति के अनुभवों का अध्ययन नहीं करता बल्कि वह व्यक्ति के व्यवहारों का भी अध्ययन करता है। व्यवहार का अध्ययन अन्तर्निरीक्षण विधि के द्वारा सम्भव नहीं था। अतः वाटसन आदि व्यवहारवादी मनोवैज्ञानिकों ने कुछ बातों पर बल दिया कि यदि मनोविज्ञान विज्ञान है तो उसकी विधि निर्विवाद रूप से वस्तुनिष्ठ objective होनी चाहिए। किसी भी विज्ञान के किसी प्रकार विशेष को देखने के बाद उसके क्रमबद्ध वर्णन के आधार पर ही हम कहते हैं कि यह वर्णन वस्तुनिष्ठ है। वस्तुनिष्ठ प्रेक्षण विधि का उपयोग व्यवहारवादी मनोवैज्ञानिकों के अनुभव व्यवहार का अध्ययन करने के लिए किया जाता।

Ajanta PRODUCTS Officer

शारीरिक व्यवहारों को हम दो भागों में बाँट सकते हैं जो

1. बाह्य व्यवहार
2. आन्तरिक व्यवहार

बाह्य व्यवहार का अर्थ बाहरी क्रिया संचालन से है जैसे हँसना, रोना, दौड़ना, नाचना-गाना आदि। इन व्यवहारों का प्रेक्षण observation साधारण तरह से ही देखकर किया जा सकता है। आन्तरिक शारीरिक व्यवहारों से रक्त संचालन, रक्त चाप, साँस की गति, हृदय की धड़कन आदि का बोध होता है। इन व्यवहारों का ज्ञान हमें विशेष प्रकार के उपकरणों की सहायता से होता है।

~~2. आन्तरिक व्यवहार~~

गुण :-

(i) वस्तुनिष्ठ प्रेक्षण विधि वास्तविक तथा अवैयक्तिक होता है। कोई जरूरी नहीं है कि अनुभव कर्ता तथा प्रेक्षण कर्ता दोनों एक ही व्यक्ति हो। प्रेक्षणकर्ता कोई दूसरा व्यक्ति भी हो सकता है। जैसे- क्रोध के लिए व्यक्ति का चेहरा लाल हो जाता है, आँखें चढ़ जाती हैं, नथुने फड़कने लगते हैं। ओठ स्थिर हो जाते हैं, तो इस प्रकार की स्थिति में इसको अध्ययन कोई भी व्यक्ति आसानी से कर लेता है।

(ii) वस्तुनिष्ठ प्रेक्षण विधि का प्रयोग केवल सामान्य व्यक्ति पर ही नहीं किया जा सकता है इसका प्रयोग बच्चों तथा पशु-पक्षी पर भी किया जा सकता है।

(iii) वस्तुनिष्ठ प्रेक्षण विधि से संख्यात्मक परिणाम प्राप्त होते हैं जिसका सांख्यिकीय निरूपण (Statistical Treatment) किया जा सकता है। इस विधि ने मनोविज्ञान के रूप को और अधिक वैज्ञानिक बना दिया है।

(iv) वस्तुनिष्ठ प्रेक्षण विधि की सहायता से एक ही साथ कई व्यक्तियों की मानसिक क्रियाओं का अध्ययन किया जा सकता है। भीड़ में बहुत से व्यक्ति के व्यवहारों प्रेक्षण कोई मण्डली, जनता आदि का मनोवैज्ञानिक अध्ययन संभव हो सका है। अतः इस विधि द्वारा किया गया अध्ययन सही और विश्वसनीय होता है।